रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

पूर्व मंत्री डीपी यादव समेत छह लोगों पर धोखाधड़ी में केस 13 | यूपी के वित्त सचिव बहुत अहंकारी

रविवार, 14 नवंबर 2021, बरेली [illegible]

www.livehindustan.com

PAGE NO, 04 BOTTOM

दीमक की तरह शरीर को खोखला कर देती डायबिटीज

डायबिटीज दिवस

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में वर्ल्ड डायबिटीज डे की पूर्व संध्या पर सीएमई हुई। उद्घाटन एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने किया। उन्होंने कहा कि डायबिटीज दीमक की तरह शरीर को खोखला कर देती है। लाइफ स्टाइल और खानपान की आदतों को नियंत्रित कर इसे कंट्रोल करना ही सबसे आसान उपाय है। लाइफ स्टाइल बदलिये, जंकफूड को बंद कीजिए, रात में सात घंटे की नींद लीजिए डायबिटीज नियंत्रित रहेगी। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने कहा कि यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है। जांच कर मरीजों को जागरूक और नियंत्रित किया जा सकता है।

दो सत्रों में आयोजित सीएमई से पहले मेडिकल विभाग की ओपीडी में डायबिटीज मरीजों की फ्री स्क्रीनिंग की गई। फ्री स्क्रीनिंग में 400 लोगों की ब्लड शुगर, 125 एचबीएवनसी, 100 न्यूरोपैथी टेस्ट किए गए। पहले सत्र डॉ. दीपक दास ने डायबिटीज मैनेजमेंट की जानकारी दी। उन्होंने दवाई, एक्सरसाइज के साथ ही न्यूट्रीशनल थेरेपी की जरूरत पर जोर दिया। डायबिटीज के क्लीनिकल पैरामीटर्स के उन्होंने सेल्फ मानीटरिंग पर ध्यान देना जरूरी बताया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एमपी रावल ने डायबिटीज में इंसुलिन के रोल की जानकारी दी। एंडोक्राइनोलाजिस्ट एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.. श्रुति शर्मा गर्भावस्था में होने वाली डायबिटीज से बचने के उपाय बताए। नेत्र रोग विभाग की एचओडी प्रोफेसर डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा ने आंखों पर डायबिटीज के दुष्प्रभाव की जानकारी दी। सीएमई का संचालन डॉ. आयुषि त्यागी ने किया। एमएस डॉ. आरपी सिंह, वाइस प्रिंसिपल डॉ. एनके अरोरा, डॉ. शरद जौहरी, डॉ. पीएल प्रसाद, डॉ. दीप पंत, डॉ. शशि बाला, डॉ. पियूष कुमार, डॉ. राहुल गोयल, डॉ. प्रतीक गहलोत, डॉ. तनु अग्रवाल, डॉ. नीरज प्रजापति, डॉ. एसके कौशिक, डॉ. अतुल सिंह और रुहेलखंड मेडिकल कालेज की डॉ. सीमा सेठ विशेष रूप से मौजूद रहीं।